AU-6503 (1)

B.Ed/B.Ed(HI)/B.Ed (LD) (first semester)
Examination 2014

शिक्षा
785
12-12-014

हिन्दी भाषा शिक्षण

मॉडल - उत्तर

खण्ड 'अ'

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

(I) ध्वनियों के समूह को क्या कहते है

उत्तर = भाषा / बोली

(II) पद्य शिक्षण के दो सामान्य उद्देश्य

(I) भावात्मक / कलात्मक / कौशलात्म पक्षों का विकास
(II) रसात्मक वृत्तियों का विकास

(III) बोली एवं भाषा में कोई दो अन्तर

(I) भाषा व्याकरण सम्मत होती है बोली नही।
(II) भाषा का क्षेत्र व्यापक होता है बोली का अपेक्षाकृत कम होता है।

(IV) प्रदर्शन विधि के कोई दो लाभ लिखिये

(I) अपेक्षाकृत ~~स्~~ स्थाई अधिगम होता है।
(II) अधिगम सहज एवं सरल हो जाता है।

(V) पाठ्यक्रम की परिभाषा लिखिये

'पाठ्यक्रम में वे सभी अनुभव सम्मलित होते है जिन्हे शिक्षा के उद्देश्यों की पूर्ती के लिये विद्यालय प्रयोग में लाता है'।

(VI) संज्ञानात्मक पक्ष के कोई दो विशिष्ट उद्देश्य·

~~ज्ञ~~ ज्ञान / बोध / उपयोग / संश्लेषण / विश्लेषण एवं मूल्यांकन की क्रियाओं का प्रयोग द्वारा बनाये गये

(VII) श्रवण कौशल के दो उद्देश्य लिखिये

(i) भाषा की ध्वनियाँ, ध्वनि समूहों का ज्ञान

(ii) मूल ध्वनि एवं ध्वनि समूहों में अन्तर करने की योग्यता का विकास.

(VIII) निबन्धात्मक प्रश्न को परिभाषित कीजिये

" ऐसे प्रश्न जो किसी विषयवस्तु की विशिष्ट एवं विस्तृत जानकारी उत्तर स्वरूप चाहता हो निबंधात्मक प्रश्न कहलाता है।

(IX) हिन्दी साहित्य शिक्षण की चार विधियाँ

- उद्बोधन विधि / प्रवचन विधि / व्याख्या विधि / अर्थ बोध विधि / प्रश्नोत्तर विधि

(X) अच्छे परीक्षण के कोई दो गुण

- वैधता / विश्वसनीयता / व्यापकता / सरलता / विभेदकता / मानक (कोई भी दो)

खण्ड 'ब'

प्र-1 बालक के विकास में मातृभाषा के महत्व को उदाहरण सहित समझाइये

उत्तर :- बालक के विकास में मातृभाषा के महत्व को निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत समझाया जा सकता है

(I) मातृभाषा एवं बालक का शारीरिक विकास
(II) " — " — " का बौद्धिक एवं मानसिक विकास
(III) " — " — भावात्मक विकास
(IV) " — " — सांस्कृतिक विकास
(V) " — " — सामाजिक विकास
(VI) " — " — नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास
(VII) ~~मातृभाषा अभिव्यक्ति का माध्यम~~
(VIII) मातृभाषा एवं बालक का सर्जनात्मक विकास
(IX) मातृभाषा एवं आदर्श नागरिकता का विकास
(X) अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम, आदि

बिन्दुओं की उदाहरण सहित विवेचना

प्रश्न 3. हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्यों का वर्गीकरण एवं उदाहरण सहित व्याख्या

उत्तर :- हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्यों का वर्गीकरण हिन्दी भाषा की प्रकृति / विद्यालयिक स्तर / विद्यार्थी की अवस्थाएँ इत्यादी के आधार पर किया जा सकता है

हिन्दी भाषा शिक्षण

प्राथमिक ← माध्यमिक ← उच्च माध्यमिक < उच्च

1. संज्ञानात्मक
2. भावात्मक
3. कौशलात्मक
4. अभिवृत्यात्मक

प्रश्न 4 :- माध्यमिक कक्षा हेतु हिन्दी के व्याकरण शिक्षण हेतु दैनिक पाठ योजना

उत्तर : माध्यमिक कक्षा (छठवीं, सातवीं, आठवीं, नवमी एवं दशवीं) कक्षा हेतु व्याकरण (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाविशेषण वाक्य रचना इत्यादी) विषय पर निम्नांकित बिंदुओं के आधार पर तैयार की जा सकती

(i) पाठ योजना क्रमांक :
(ii) सामान्य जानकारी :- कक्षा*, विषय, प्रकरण, दिन, दिनांक, समय
(iii) सामान्य उद्देश्य
(iv) विशिष्ट उद्देश्य
(v) पूर्व ज्ञान
(vi) शिक्षण विधि
(vii) सहायक सामग्री
(viii) प्रस्तावना
(ix) प्रस्तुतिकरण
(x) पुनरावृत्ति प्रश्न
(xi) कक्षा कार्य
(xii) गृह कार्य :

प्रश्न : 5 - सफल हिन्दी शिक्षक के आवश्यक गुण एवं विशेषताएँ

उत्तर :- सफल हिन्दी शिक्षक के आवश्यक गुण एवं विशेषताओं की चर्चा निम्न बिंदुओं के आधार पर की जा सकती है।

(I) विषयवस्तु की पारंगकता
(II) शिक्षण कार्य के प्रति रुचि एवं सम्मान
(III) साहित्य के प्रति अनुराग
(IV) प्रभावी व्यक्तित्व
(V) विस्तृत अध्ययन
(VI) सशक्त अभिव्यक्ति
(VII) भावानुकूल वाचन
(VIII) प्रभावशाली प्रवचन
(IX) अन्य विषयों की जानकारी

(XII) मौलिक चिंतन
(XIII) शिक्षण तकनीकी का प्रयोग
(XIV) शिक्षण कौशलों के प्रयोग की क्षमता
(XV) अच्छा सम्प्रेषण

प्रश्न : 6 हिन्दी शिक्षण में उपलब्धि परीक्षण की आवश्यकता एवं ~~प्रक्रिया~~ उपलब्धि एवं महत्व को समझाइये।

उत्तर :- हिन्दी भाषा शिक्षण में उपलब्धि परीक्षण शिक्षक एवं शिक्षार्थी दोनो के लिये आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है उपलब्धि परीक्षण की आवश्यकता एवं महत्व को निम्न बिन्दुओं के द्वारा समझाया जा सकता है।

(I) लक्ष्य निर्धारण हेतु
(II) प्रतिपुष्टी हेतु (Feedback)
(III) प्रोत्साहन हेतु
(IV) सकारात्म भाव विकसित करने हेतु
(V) स्वा: क्षमताओं के विकास हेतु
(VI) स्वा: क्षमताओं को जानने हेतु
(VII) सफलता के लिये ईनाम एवं प्रोत्साहन हेतु
(VIII) स्वयं को चुनौतीपूर्ण एवं प्रभावी बनाने हेतु
(IX) इच्छा शक्ति के विकास हेतु
(X) सफलता की जाँच हेतु.
(XI) उपचारात्म शिक्षण हेतु
(XII) अभिप्रेरण हेतु
(XIII) कमियों के निदान हेतु
(XIV) आत्मनिर्भरता के बढावा हेतु
(XV) सामना करने की योग्यता विकसित करने हेतु

इत्यादी.

प्रश्न: 7. राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी की आवश्यकता पर प्रकाश डालिये।

उत्तर :- किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा से होती है राष्ट्रभाषा किसी भी राष्ट्र की अपनी ~~[illegible]~~ पहचान निर्धारित करती है हिन्दी भाषा वह भाषा है जो विश्व में तीसरे नम्बर पर बोली एवं समझी जाती है साथ ही हिन्दी भाषा हिन्दुस्तान में सबसे अधिक राज्यो एवं लोगों के द्वारा बोली जाने वाली है परंतु हिन्दी की विडम्बना यह है कि आज तक उसे राष्ट्र भाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हुआ। भारतीय संविधान में धारा 344(2) एवं 351 में हिन्दी को राष्ट्र की कार्यकारी भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ है परंतु साथ ही सभी राज्य इसे अपनाने के लिये स्वतंत्र है। आज भी हिन्दुस्तान में कार्यकारी भाषा के लिये हिन्दी के साथ देश से बाहर की भाषा का सहारा लेना स्वयं में सोचनीय है जबकी हिन्दी के सभी विशेषताएँ हिन्दी में है जो उसे राष्ट्र भाषा के रूप में बनाने हेतु आवश्यक है अत: ~~हिन्दी~~ राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की आवश्यकता को निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर समझाया जा सकता है

(i) ~~हिन्दी~~ राष्ट्रभाषा सर्वाधिक लोगों के द्वारा बोली जानी चाहिये
(ii) राष्ट्र भाषा का अपना इतिहास होना चाहिये
(iii) राष्ट्र भाषा का वैज्ञानिक आधार होना चाहिये
(iv) राष्ट्र भाषा व्याकरण सम्मत होना चाहिये
(v) राष्ट्र भाषा का सांस्कृतिक आधार होना चाहिये
(vi) राष्ट्र भाषा का साहित्यिक आधार होना चाहिये

(VII) राष्ट्र भाषा मानक होनी चाहिये
(VIII) राष्ट्र भाषा का मानक शब्दकोश होना चाहिये
(IX) राष्ट्रभाषा का संवैधानिक आधार होना चाहिये
(X) राष्ट्र भाषा के प्रयोग के मानक नियम होने चाहिये
(XI) राष्ट्र भाषा अन्तर परिवर्तनीय होनी चाहिये
(XII) राष्ट्र भाषा नियंत्रित होना चाहिये
(XIII) राष्ट्रभाषा संकेतिक तथा अर्थगत होनी चाहिये
(XIV) राष्ट्रभाषा उत्पादक एवं रचनात्मक होनी चाहिये
(XV) राष्ट्रभाषा लचीली होना चाहिये।

-चूंकी उपरोक्त विशेषताएँ हिन्दी भाषा में हैं और वह राष्ट्रभाषा के उद्देश्यों की पूर्ती करती है अतः राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की प्रासंगिकता को सुनिश्चित करती है अतः राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की आवश्यकता बढ़ जाती है.